

246  
10



पत्रनामा श्री. राजेश कुमार शर्मा (श्री. राजेश) श्री वि. जे. श्री

पिठित सम्पत्ति (i) भूमि - शुद्ध अकार्षण / अकार्षण / अकार्षण

(ii) काल - अकार्षण / अकार्षण / अकार्षण / अकार्षण / अकार्षण

पुत्र पिठित सम्पत्ति : 0-500 रुपये मनु, वार्षिक निवृत्ति; अकार्षण 9 रुपये

विषय गुप्त अकार्षण पत्रिका व तमोल निवृत्ति पत्रिका

अकार्षण सम्पत्ति शुद्धा x पत्रनामा x वित्तिय रत्न

पिठित अकार्षण जति वा अकार्षण का.जी.जे. है. वही है. विनाम की वही 1

वि. अकार्षण. जति. से. से. अकार्षण. जति. है. वि. अकार्षण. जति. है.

अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण

विनाम. वा. वर. - \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण

पिठित सम्पत्ति - (i) अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. वर. है.

(ii) अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. वर. है. वही है.

अकार्षण - 35000 रुपये |

शुद्ध - 12

श्री. राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री. अकार्षण शर्मा गुप्त अकार्षण पत्रिका  
व तमोल निवृत्ति पत्रिका का है (विनाम)

PAN: AKMN JK 744R

अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण  
अकार्षण विनाम. विनाम. वर. प्री. वर. वा. \* अकार्षण. जति. अकार्षण. जति. है. शुद्ध अकार्षण

शुद्ध

शुद्ध

दिनांक 12/01/2010

श्री रानीद सिह	राजस्थान	जयपुर
श्री रानीद सिह	राजस्थान	जयपुर
श्री रानीद सिह	राजस्थान	जयपुर
श्री रानीद सिह	राजस्थान	जयपुर
श्री रानीद सिह	राजस्थान	जयपुर
श्री रानीद सिह	राजस्थान	जयपुर
श्री रानीद सिह	राजस्थान	जयपुर

4/5  
poly 2010

गिरिजा सिंह  
(18/20)

श्री रानीद सिह पिछेवा उक्त में श्री रानीद सिह  
राजस्थान राज्य समिति जयपुर द्वारा अग्रिम राशि  
श्री रानीद सिह चन्द्र अग्रिम मिथामाला सेज से

1 कुलिया 7,20,000/- अग्रिम राशि  
 2 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि  
 3 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि  
 4 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि  
 5 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि  
 6 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि  
 7 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि  
 8 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि  
 9 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि  
 10 राशि 1,20,000/- अग्रिम राशि

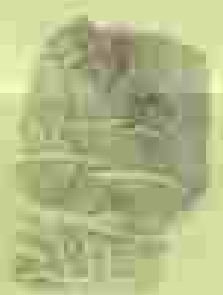
अग्रिम राशि

श्री रानीद सिह अग्रिम राशि  
अग्रिम राशि अग्रिम राशि

poly 2010  
अग्रिम राशि

राशि

राशि



राशि

राशि  
राशि



राशि  
राशि

राशि  
राशि

poly 2010  
अग्रिम राशि

के रूप में देना कर दी। और एक नया सीमा ड्रा लेखाओं के सम्बन्ध में पूर्व

केन्द्र/प्रभाग के अन्तर्गत केन्द्र/प्रभाग द्वारा प्रेषित व दस्तावेज विहित सम्पत्ति पर  
प्रस्तावना देना का काम दिया। अब विद्यमान विहित का कोई और विहित सम्पत्ति में लेना नहीं  
कर और प्रस्तावना/देना पूर्व 201 से जारी विहित सम्पत्ति को/काही हो नहीं/हो गया/हो गई।  
एवं अधिक में विद्यमान विहित/अस्त नालिक/अन्वय/अवस्था/उपरोक्त के सम्बन्ध में  
किसी और या अन्य किसी कार्यवाही से कोई और विहित सम्पत्ति प्रस्तावना/देना के सम्बन्ध में  
विहित/अस्त का कोई और अन्वय/अस्त जारी/करवाये या किसी आ/व्यक्तिगत विहित सम्पत्ति पर  
दो विहित या दृष्टित दृष्टित न हो तो विद्यमान विहित/अस्त नालिक विन्मोक्त  
होना/होने/हूना/हुने और प्रस्तावना/देना की अधिकार वस्तु/बात/बे/आवे का विद्यमान विहित  
की अन्य बात व/अस्त सम्पत्ति के अन्तर्गत/द्वारा/नए/हमें व/कार्य/अन्वय/के रूप/की/दृष्टित  
होगा। अतः यह ध्यान/साध/दिवा/प्रमाण रहे। ऐसे अस्त/तात्व/जो/स्वातन्त्र्य/देना/को/अन्वयित  
कर/सम्पत्ति/है/साधना/पूर्वक/इस/दस्तावेज/में/दस्ता/दिके/गये/हैं।

विवरण विहित सम्पत्ति

विहित सम्पत्ति का क्र. 0.400 मुख्य दस्तावेज - का. 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000

*[Signature]*

*[Signature]*





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

L 296373

व कॉर्न से पकव साक भौल ही उम भौल ने





Handwritten text in Devanagari script, possibly a title or header, including the word "संस्कृत" (Sanskrit).

Handwritten text in Devanagari script, possibly a list or a set of instructions.





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

L 296372

किंव निर्माण, पैड, ब्रान्डे व बौरेण नकैरे

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*

~~SECRET~~  
CONFIDENTIAL

SECRET  
CONFIDENTIAL

SECRET  
JAN 1954  
SECRET

SECRET





2/15

मूल 20,000/- दि. मा. 20,000/- लि. म.

दि. 10/11/2018 (I) मूल - शुद्धि, आवधिक - आवधिक, शैलिन  
(II) मूल - आवधिक, आवधिक, शैलिन, मूल, शुद्धि  
मूल मूल मूल : 0/10/2018-20/03/2019  
= 10,000/-

दि. मु. गदगापुर पाप्मा व. जर्मल नरीनकर, जे. लि. लि.

आवधिक मूल शुद्धि X आवधिक शुद्धि शुद्धि मूल शुद्धि मूल शुद्धि  
दि. 10/11/2018 (I) मूल - शुद्धि, आवधिक - आवधिक, शैलिन  
(II) मूल - आवधिक, आवधिक, शैलिन, मूल, शुद्धि  
मूल मूल मूल : 0/10/2018-20/03/2019  
= 10,000/-

हमारे भीम सुजोला देवी मां की आराधना व रक्षा  
दि. मु. भी. अलक्षय मितां मा. मु. गदगापुर पाप्मा  
व. जर्मल नरीनकर, जे. लि. लि.

ने कि 10,000/- को आवधिक-आवधिक-आवधिक शैलिनका रूप में शुद्धि मूल शुद्धि मूल शुद्धि  
दि. 10/11/2018 (I) मूल - शुद्धि, आवधिक - आवधिक, शैलिन  
(II) मूल - आवधिक, आवधिक, शैलिन, मूल, शुद्धि  
मूल मूल मूल : 0/10/2018-20/03/2019  
= 10,000/-

प्रीति सुशीला देवी

दि. 11/12/2020 20/11/2020  
प्रीति सुशीला देवी का पत्र

उत्तराखण्ड का उत्तर

11/12/2020 20/11/2020

प्रीति सुशीला देवी  
उत्तराखण्ड का उत्तर

सुशीला

प्रीति सुशीला देवी का पत्र  
उत्तराखण्ड का उत्तर  
उत्तराखण्ड का उत्तर  
उत्तराखण्ड का उत्तर

प्रीति सुशीला देवी का पत्र  
उत्तराखण्ड का उत्तर  
उत्तराखण्ड का उत्तर  
उत्तराखण्ड का उत्तर

प्रीति सुशीला देवी

सुशीला

उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड



प्रीति सुशीला देवी

उत्तराखण्ड

प्रीति सुशीला देवी का पत्र  
उत्तराखण्ड का उत्तर  
उत्तराखण्ड का उत्तर  
उत्तराखण्ड का उत्तर

के हव विद्य कर री। और पूरा नाम रसि झा लेखपत्र के सम्बन्ध में एवं

केतन/केतन से नकद/द्वारा पैसा/द्वारा दण्ड/दण्ड कर कबला व दण्ड विहित सम्पत्ति पर केतन/केतन कर करा दिया। जब नकद/भेद कोई अथ विक्रित सम्पत्ति में लेव नहीं हय और केतन/केतन पूर्व रूप से जमाने विक्रित सम्पत्ति से/का ली हो गये हो जवाबे नई। यदि अर्थिक में इन्फोर्मे/असल अर्थिक/असल/अपारधनाप अपरोका के आश्रित के किसी बेटे या अन्य किसी पक्षधारी से कोई अथ विक्रित सम्पत्ति केतन/केतन से इन्फोर्मे से निकल जाय या कोई बह अवका भंग यदि साराई या किसी का नसिगत विक्रित सम्पत्ति पर देव किलने या धरिष्ठ आश्रित न हो तो दण/में/असल अर्थिक विभेदाय होना/होने/हुना/हुनी और केतन/केतन को अधिकार पक्षी गणाले अपने का इन्फोर्मे/सेरी अन्य बह व अवका सम्पत्ति में अवका दण्ड नय हवा व कर्ष अवकायी के हर तौर इच्छित होना। अतः यह कथयना किन्न दिना प्रमाण से। ऐसे सम्पत्त सम्प जो स्वाम स्वता की प्रभावित कर गये हैं सम्पत्तार्थिक इस दस्तावेज में दर्श दिने गये हैं।

विवरण विक्रित सम्पत्ति

जे कि नवगी 0.5965 इका इन्फोर्मे/सेरी में शुभ पंच  
 ईसे. दण 1.581 है। श्रीधरी नाम नम्ब 218 सेरी  
 इन्फोर्मे/सेरी नम्ब 27 सामग्री सह फलने वर्ष  
 1977-1972 के अनुमा प्रिमम गुम गद्गलपुर पाणना व/र  
 नगीना/अर, जिला सितावा। अत श्री 0.5965 है से सेरे  
 एणवीर सिंह ने अपना अथक भाग व सेरेना अगेरे/अगेरे/अगेरे/अगेरे  
 ने अपने अथक 1/3 भाग से 1/3 भाग सेना सेना है। इस अथक  
 की 20000 के विजय से अथक अगेरे/अगेरे/अगेरे/अगेरे  
 50% अथक अगेरे स्वाम अथक अथक है। अत श्री अथक

सुशीला



THE  
LIBRARY OF THE  
MUSEUM OF  
COMPARATIVE ZOOLOGY  
AND ANATOMY  
HARVARD UNIVERSITY  
CAMBRIDGE, MASS.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AE 593524

कि गाँव व कुल का पता लिखने से कुछ पता

सुशीला



~~Page 126~~  
126  
इस प्रयोग में दो लोहे की पिन लें।  
एक पिन को लोहे की धूल से भर दें।



प्रयोग  
1. लोहे की धूल से भर दें।  
प्रयोग





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AE 593525

क. माफ होवे। एक शीतल के डालने को प्रोत्साहित  
 जाइ। फिर जाइ - अन्तर्गत परिणत के लीसताह रसि  
 काइ प्रोत्साहित शरत के लोके प्रति पदिले के लीसताह  
 निमताकाइ शीत शीत ही। एक शीतल इम लोका के ल म  
 दिमा परिणत है। न लोके लोका लोका इ है।

शु शीला



श्री

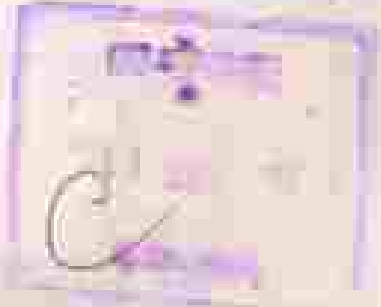


श्री



636

May 12 1900



The following is a list of the  
 names of the persons who  
 were present at the meeting  
 held at the residence of  
 Mr. J. H. [illegible] on  
 the 12th day of May 1900.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





Handwritten signature or mark in the center.



Handwritten header text, possibly a title or date.

Handwritten text block, possibly a list or set of instructions.

Handwritten line of text, possibly a separator or a specific instruction.

Handwritten text block containing several lines of text, possibly a list or a detailed note.

Handwritten text block, possibly a continuation of the previous section.

Handwritten text block, possibly a signature or a specific note.

Large handwritten text block at the bottom of the page, possibly a conclusion or a detailed note.

Handwritten text at the bottom left, possibly a signature or a date.



कुल ४,३६,०००  
२,५६,०००

अंश १०.००० अंश जे. १०००

१० अंशों में से १० अंश

१० अंशों में से १० अंश

१० अंशों में से १० अंश

१० अंशों में से १० अंश

१० अंशों में से १० अंश

कुल ४,३६,०००

कुल ४,३६,०००  
२,५६,०००

१० अंशों में से १० अंश  
१० अंशों में से १० अंश

कुल ४,३६,०००

कुल ४,३६,०००

कुल ४,३६,०००

कुल ४,३६,०००

कुल ४,३६,०००

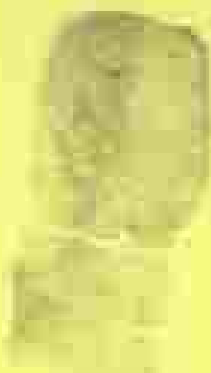


कुल ४,३६,०००

कुल ४,३६,०००  
२,५६,०००

कुल ४,३६,०००

कुल ४,३६,०००





६५

..... श्री **बाली मना खत्री**  
होता है, जिसके अनुसार नाम लिखा-  
शुक्रा **...** के बच्चे हैं .....  
के अनुसार आप देते हैं ..... दिया।

उपरोक्त  
संज्ञावाचक  
२३-२५





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AU 736362

पुरा के गार्ड व पुलिस चाड सेवाए

मोहल सिंह

